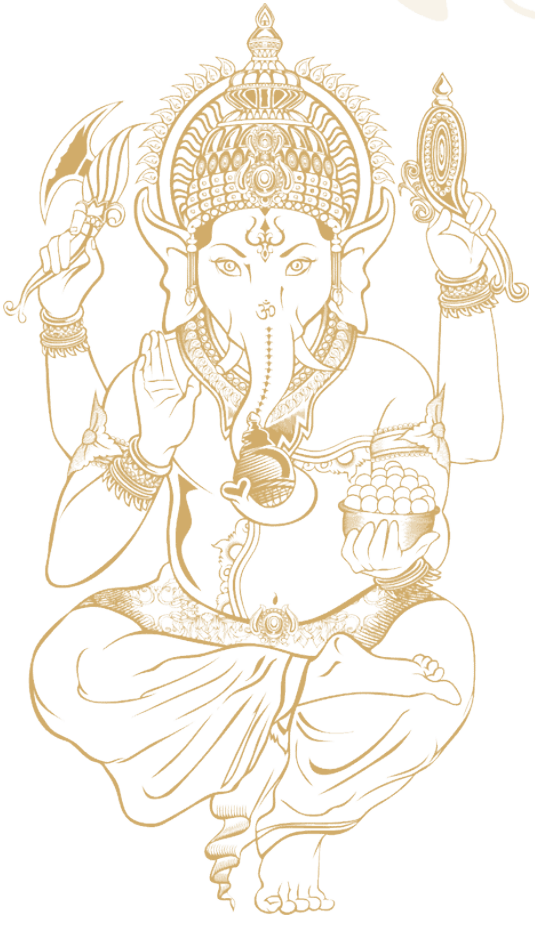

Mr.ARJIT SINGH

31 Dec 2022

06:54 PM

Anand

Model: web-freekundliweb

Order No: 120249011

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/12/2022**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:54:00 घंटे**
इष्ट	29:00:15 घटी
स्थान	**Anand**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	73:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:16:04 घंटे
वेलान्तर	-00:02:53 घंटे
साम्पातिक काल	00:55:53 घंटे
सूर्योदय	07:17:53 घंटे
सूर्यास्त	18:04:04 घंटे
दिनमान	10:46:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:39:31 धनु
लग्न के अंश	27:33:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:33:22	316:39:01	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	15:39:31	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			मेष	03:49:40	12:51:08	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल	व		वृष	14:57:44	00:09:57	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध	व		धनु	29:43:54	00:25:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	06:57:53	00:07:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	02:39:15	01:15:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मक	28:11:58	00:05:58	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु			मेष	17:34:21	00:00:52	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु			तुला	17:34:21	00:00:52	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
हर्ष	व		मेष	20:58:50	00:01:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			कुंभ	28:41:17	00:00:56	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	03:28:06	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मीन	20:59:42	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:31

लग्न-चलित

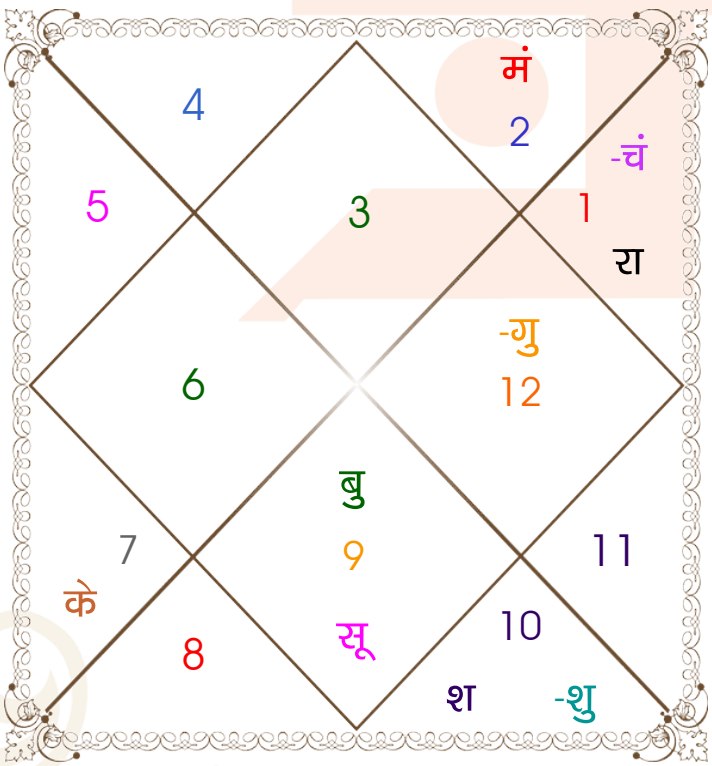

चन्द्र कुंडली

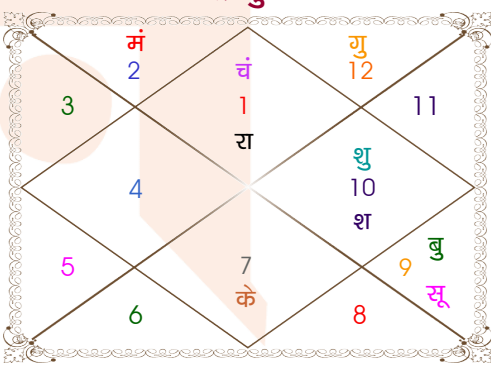

नवमांश कुंडली

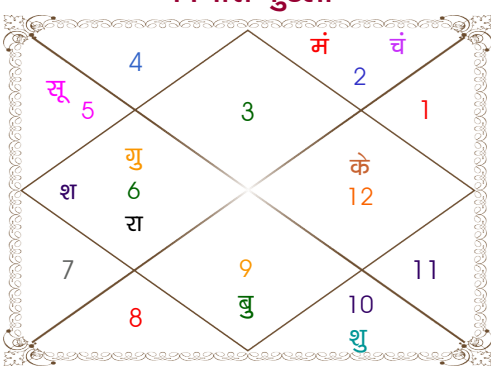

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 11 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/12/2022		28/12/2027		28/12/2047		28/12/2053		28/12/2063	
28/12/2027		28/12/2047		28/12/2053		28/12/2063		28/12/2070	
	00/00/0000	शुक्र	29/04/2031	सूर्य	16/04/2048	चंद्र	28/10/2054	मंगल	25/05/2064
	00/00/0000	सूर्य	28/04/2032	चंद्र	15/10/2048	मंगल	29/05/2055	राहु	13/06/2065
	31/12/2022	चंद्र	28/12/2033	मंगल	20/02/2049	राहु	27/11/2056	गुरु	20/05/2066
चंद्र	01/07/2023	मंगल	27/02/2035	राहु	15/01/2050	गुरु	29/03/2058	शनि	28/06/2067
मंगल	28/11/2023	राहु	26/02/2038	गुरु	03/11/2050	शनि	28/10/2059	बुध	25/06/2068
राहु	15/12/2024	गुरु	27/10/2040	शनि	16/10/2051	बुध	29/03/2061	केतु	21/11/2068
गुरु	21/11/2025	शनि	28/12/2043	बुध	21/08/2052	केतु	28/10/2061	शुक्र	21/01/2070
शनि	31/12/2026	बुध	28/10/2046	केतु	27/12/2052	शुक्र	28/06/2063	सूर्य	29/05/2070
बुध	28/12/2027	केतु	28/12/2047	शुक्र	28/12/2053	सूर्य	28/12/2063	चंद्र	28/12/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/12/2070		27/12/2088		28/12/2104		29/12/2123		28/12/2140	
27/12/2088		28/12/2104		29/12/2123		28/12/2140		00/00/0000	
राहु	09/09/2073	गुरु	14/02/2091	शनि	01/01/2108	बुध	27/05/2126	केतु	26/05/2141
गुरु	03/02/2076	शनि	28/08/2093	बुध	10/09/2110	केतु	24/05/2127	शुक्र	27/07/2142
शनि	09/12/2078	बुध	04/12/2095	केतु	20/10/2111	शुक्र	24/03/2130	सूर्य	01/12/2142
बुध	28/06/2081	केतु	09/11/2096	शुक्र	20/12/2114	सूर्य	28/01/2131	चंद्र	01/01/2143
केतु	16/07/2082	शुक्र	11/07/2099	सूर्य	02/12/2115	चंद्र	29/06/2132		00/00/0000
शुक्र	16/07/2085	सूर्य	29/04/2100	चंद्र	02/07/2117	मंगल	26/06/2133		00/00/0000
सूर्य	10/06/2086	चंद्र	29/08/2101	मंगल	11/08/2118	राहु	13/01/2136		00/00/0000
चंद्र	10/12/2087	मंगल	05/08/2102	राहु	17/06/2121	गुरु	20/04/2138		00/00/0000
मंगल	27/12/2088	राहु	28/12/2104	गुरु	29/12/2123	शनि	28/12/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 0 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।